Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

भारतीय इतिहास के कुछ विषय

भाग - 3

आधुनिक भारत का इतिहास

अध्याय - 11

महात्मा गाँधी और राष्ट्रीय आन्दोलन

भाग - 1

Pritesh Joshi

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

राष्ट्रीय आंदोलन

→ भारत → महात्मा गाँधी

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी

नाम → मोहन दास गाँधी

जन्म → 2 अक्टूबर, 1869

(विश्व अहिंसा दिवस)

पिता → करमचंद गाँधी

माता → पुतली बाई

पत्नी → कस्तूरबा गाँधी

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

इस अध्याय में हम 1915–1948 के दौरान भारत में गाँधी जी की गतिविधियों का विश्लेषण करेंगे।

- असहयोग आंदोलन
- नमक सत्याग्रह/सविनय अवज्ञा आंदोलन
- भारत छोड़ो आंदोलन

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

स्वयं की उद्घोषणा करता एक नेता

मोहनदास करमचंद गाँधी विदेश में (अफ्रीका) दो दशक रहने के बाद जनवरी, 1915 में अपनी गृहभूमि वापस आए।

चन्द्रन देवनेसन – "अफ्रीका ने ही गाँधी जी को महात्मा बनाया"।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1893 — 1915

→ गोखले ✓

तिलक ✓

पाल ✓

लाला लाजपत ✓

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- महात्मा गाँधी ने अफ्रीका में ही पहली बार सत्याग्रह के रूप में जानी गई अहिंसात्मक विरोध की अपनी विशिष्ट तकनीक का इस्तेमाल किया।
- 1893 से 1915 तक अफ्रीका में भेदभाव विरोधी आन्दोलनों का नेतृत्व किया।
- 1915 में जब गाँधी जी भारत आए, उस समय तक भारत पहले मुकाबले राजनीतिक रूप से कहीं अधिक सक्रिय हो गया था।
- प्रमुख शहरों और कस्बों में अब भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की शाखाएँ थी।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- 1905–07 के स्वदेशी आन्दोलन के माध्यम से इसने व्यापक रूप से मध्य वर्गों के बीच अपनी अपील का विस्तार कर लिया था।

बाल गंगाधर तिलक	→	महाराष्ट्र
विपिन चंद्र पाल	→	बंगाल
लाला लाजपत राय	→	पंजाब

ये स्वदेशी आन्दोलन के मुख्य नेता था –

- ये तीनों लाल, बाल, पाल के रूप में जाने जाते थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1905 → बंगाल विभाजन

बंग भंग → स्वदेशी

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- इन नेताओं ने जहां औपनिवेशिक शासन के प्रति लड़ाकू विरोध का समर्थन किया। वहीं ‘उदारवादियों’ का एक समूह क्रमिक व लगातार प्रयास करते रहने के विचार का हिमायती था।

- उदारवादियों में प्रमुख गाँधी के मान्य राजनीतिक परामर्शदाता गोपाल कृष्ण गोखले के साथ ही मोहम्मद अली जिन्ना थे।

- गोखले ने गाँधी जी को एक वर्ष तक ब्रिटिश भारत की यात्रा करने की सलाह दी जिससे वे भारत के लोगों को समझ सकें।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

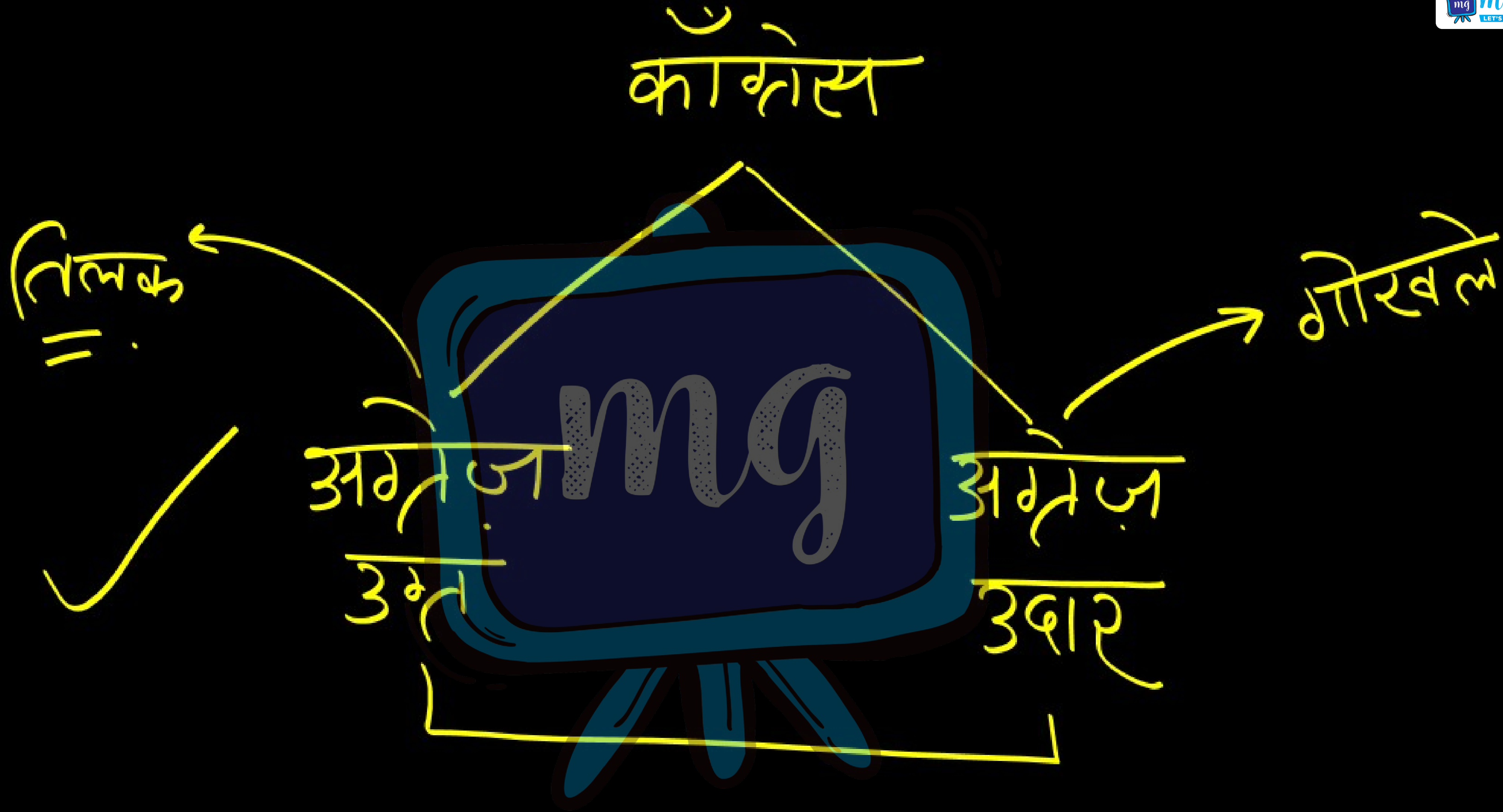

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

1915 1916 BHU

- गाँधी जी की पहली सार्वजनिक उपस्थिति फरवरी, 1916 में 'बनारस हिंदू विश्वविद्यालय' के उद्घाटन समारोह में हुई।
- भाषण – धनी व सजे-सँवरे भद्रजनों की उपस्थिति और 'लाखों गरीब' भारतीयों की अनुपस्थिति के बीच की विषमता पर अपनी चिंता प्रकट की।
- भारतीय राष्ट्रवाद वकीलों, डॉक्टरों और जमींदारों जैसे विशिष्ट वर्गों द्वारा निर्मित था।
- गाँधी जी भारतीय राष्ट्रवाद को सम्पूर्ण भारतीय लोगों को और अधिक अच्छे ढंग से प्रतिनिधित्व करने में सक्षम बनाने चाहते थे।

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

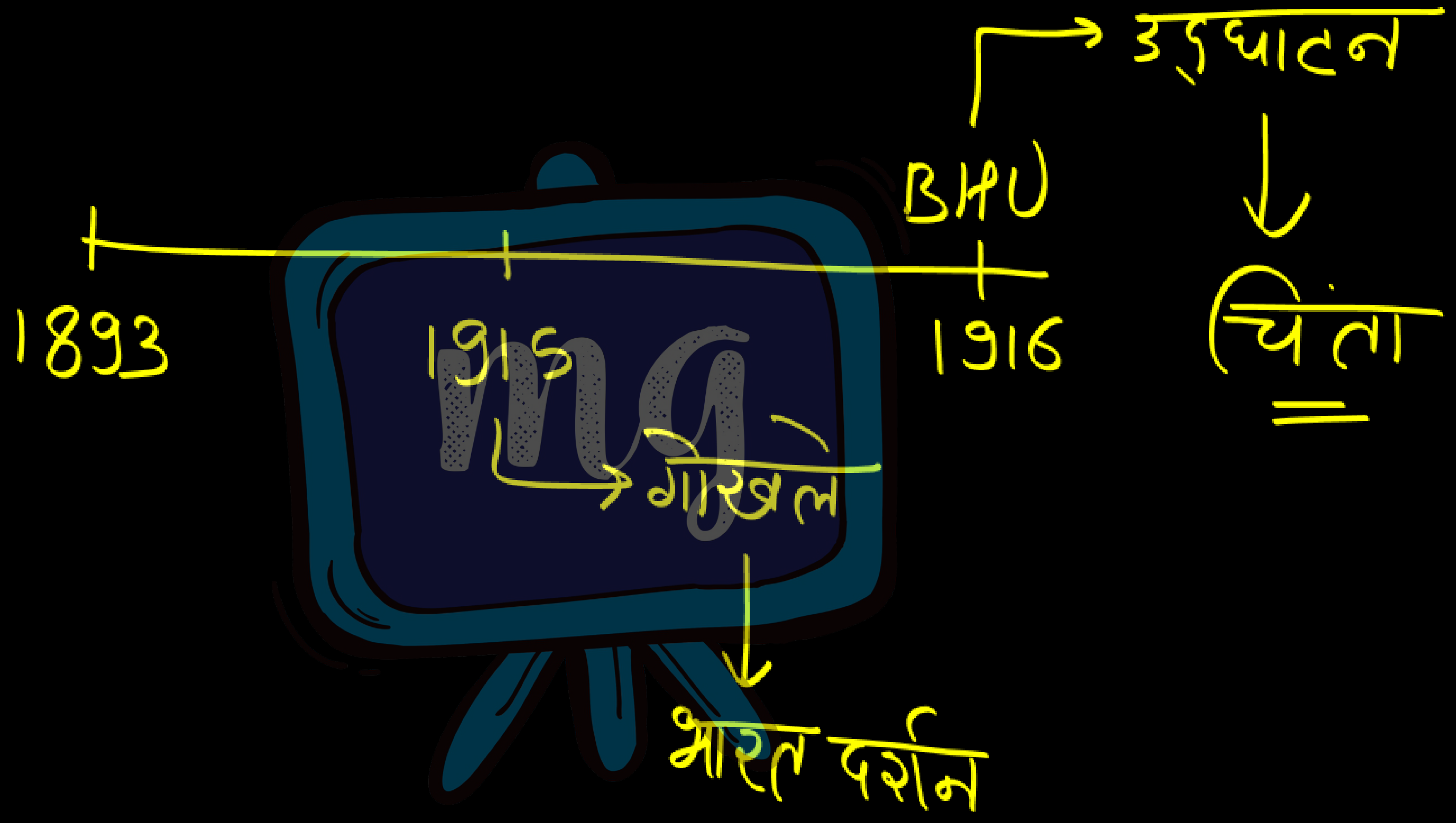

Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

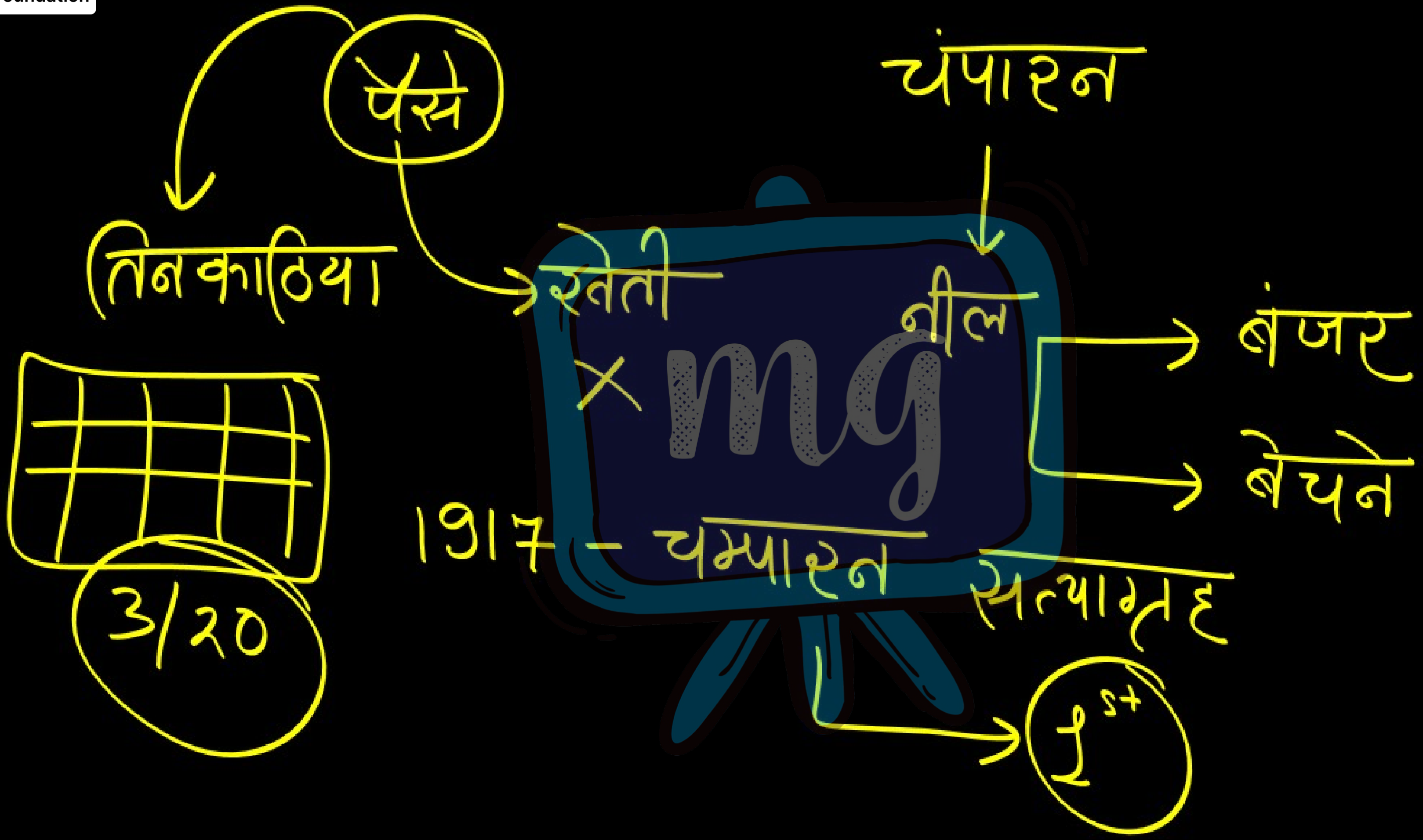

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मजदूर

वेतन = 100₹

प्लेग बोनस = 30₹

130₹ ⟶ 100₹

अहमदाबाद
मिल
आंदोलन

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- 1917 का अधिकांश समय महात्मा गाँधी को किसानों के लिए काश्तकारी की सुरक्षा के साथ-साथ अपनी पसंद की फसल उपजाने की आजादी दिलाने में बीता।
- 1917 – चम्पारन किसान सत्याग्रह
- 1918 में गाँधी जी अपने गृह राज्य, गुजरात में दो अभियानों में संलग्न रहे।
- 1918 – अहमदाबाद मील मजदूर आंदोलन
- 1918 – खेडा किसान सत्याग्रह

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

क्षेत्र

- स्थानीय आन्दोलन
  - चम्पारन
  - अहमदाबाद
  - खेड़ा
- राष्ट्रीय

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- चम्पारन, अहमदाबाद और खेडा में की गयी पहल से गाँधी जी एक ऐसे राष्ट्रवादी के रूप में उभरे जिनमें गरीबों के लिए गहरी सहानुभूति थी।
- ये सभी स्थानीय संघर्ष थे।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

स्थानीय

↓

स्थानीय समस्या

→ वेतन

→ राजस्व

→ अधिकारी ×

राष्ट्रीय

↓

सभी वर्गों

सा० रा० आ०

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER